Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

एकीकृत कृषि परामर्श सेवा योजना
एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग
रू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

वर्ष–2015	दिनांक: 25 से 29 अप्रैल 2015	दिनांक: 24.04.2015

(जिला शहडोल के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित मध्यम कालिक मौसम पूर्वानुमान केन्द्र को भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल, से प्राप्त जानकारी के आधार पर **शहडोल** तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में निम्नानुसार मौसम रहने की संभावना है।

District: Shahdol	25.04.2015	26.04.2015	27.04.2015	28.04.2015	29.04.2015
वर्षा (मि.मी.)	1	3	1	0	0
अधिकतम तापमान (डि.से.)	39	39	39	40	41
न्यूनतम तापमान (डि.से.)	22	22	21	21	22
बादलों की स्थिति	हल्के	मध्यम	हल्के	हल्के	हल्के
आपेक्षित आद्रता (:)(सुबह)	52	47	56	56	31
आपेक्षित आद्रता (:)(षाम)	7	11	16	15	14
हवा की गति (कि.मी. / घण्टा)	7	8	7	7	5
हवा की दिशा	उत्तर–पश्चिम	पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम

मौसम आधारित साप्ताहिक कृषि परामर्ष दिनांक: 25 से 29 अप्रैल 2015

आगामी दिनों में दिन का तापमान 40.0 ^{0}C से अधिक बढ़ने की संभावना है। खेतों में सिंचाई की समुचित व्यवस्था करें।

- ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द के खेत में सिंचाई करें।
- गेंहू की फसल की गहाई कर सुरक्षित स्थानों पर रखें एवं आग से बचाऍं ।

गन्ने एवं मक्का की फसलों में आवष्यकतानुसार सिंचाई करें ।

फल एवं सब्जियॉं

- ग्रीष्मकालीन सब्जियों में सिंचाई करें ।
- ग्रीष्मकालीन सब्जियों जैसे भिण्डी एवं बरवटी एवं मिर्ची एवं बैगन की फसल में कीट एवं व्याधियों का निरीक्षण करते रहें एवं आवश्यकता होने पर अनुशंसित कीट एवं क्वक नाशको का प्रयोग करें।
- आम एवं फलदार वृक्षों में फल की अवस्था में रसचूसक कीटों का प्रकोप बढ़ने की सम्भावना है इनके रोकथाम हेतु सर्वांगीन कीटनाशक जैसे रोगोर, मैटासिसटोक्स 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव खुले मौसम मे करें ।

पशु एवं मुर्गी पालन

- आगामी दिनों में तापमान बढ़ने की संभावना है अतः अपने पशुओं को छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखें तथा बीमारियो से वचाव हेतु समय समय पर पशुओं का निरीक्षण करते रहें । पशुओं को पानी की पर्याप्त ब्यवस्था करें ।
- मेमनों को फड़किया (Enterotacemia) व भेड़ को चेचक रोग (Sheep pox) का टीका लगवाऍं।

नोडल आफीसर

दिनांक : 24 अप्रैल 2015